विवरण

1. चाय बोर्ड अपने कार्यालयों के माध्यम से तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों के माध्यम से विभिन्न देशों में भारतीय चाय का जोरदार संवर्धन कर रहा है । इसमें विदेशों में व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों में प्रधान रूप से भारतीय पैक प्रस्तुत करना, विदेशों के चाय आयातकों को भारत के दौरे पर बुलाना और अन्य माध्यमों से प्रचार शामिल है ।

2. अन्य पेयों के मुकाबले के पेय के रूप में चाय की कुल खपत बढ़ाने के लिए अन्य निर्यातक देशों के सहयोग से विदेशों में चाय के व्यापक संवर्धन के लिए स्थापित चाय परिषदों द्वारा किए गए प्रयत्नों के लिए चाय बोर्ड सहायता देता है ।

3. विभिन्न रूपों में भारतीय चाय का निर्यात बढ़ाने के लिए भारतीय चाय व्यापार निगम नामक सरकारी क्षेत्र के एक संगठन की भी स्थापना की गई है ।

4. भारत से विदेशों के चुनिंदा बाजारों में वहां के स्थानीय मिश्रणकर्ताओं, पैकरों के सहयोग से पैकट बन्द चायों चाय थैलियों के सीधे निर्यात बढ़ाने के लिए भारतीय निर्यातको को संवर्धनात्मक सहायता प्रदान करना भी भारत सरकार के तत्वावधान में चाय बोर्ड द्वारा किया जा रहा एक संवर्धन कार्य है ।

पटसन उत्पादों का निर्यात

1747. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में, प्रति वर्ष, पटसन से बना सामान कितना और किस किस देश को निर्यात किया गया ;

(ख) क्या कुछ अन्य देशों से प्रतिस्पर्धा के कारण भारत को उनके निर्यात में कुछ हानि उठानी पड रही है ;

(ग) यदि हां, तो उन देशों के नाम क्या हैं और इस सम्बन्ध में क्या उपचारात्मक उपाय किये जा रहे हैं ?

वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्री (श्री मोहन धारिया) : (क) से (ग). एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । [**ग्रन्थालय में रखा गया । देखिए** संख्या एल० टी०--505 77]

काजू का निर्यात

1748. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **वाणिज्य तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों में विदेशों को, वर्षवार, एवं देश वार, कितना काजू निर्यात किया गया और उससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई ;

(ख) क्या कुछ अन्य काजू उत्पादक देशों के मुकाबले पर आ जाने से देश को हानि हो रही है ; और